युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण
मई, 2023 मास के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

मई मास का चार्ट:
लक्ष्य: कामजीत जगतजीत बनना**.**

हम ब्राह्मण आत्माओं का लक्ष्य है - कामजीत जगतजीत बनना. काम को जीतना अर्थात् काम विकार का वंश सर्व हद की कामनायें हैं उसे जीतना. यही सही अर्थ में पवित्रता की पालना है. अगर पवित्रता के किले के बाहर संकल्प द्वारा भी जाते हैं तब दुःख और अशांति का प्रभाव अनुभव करते हैं. कामनायें ही दुःख और अशांति का कारण है. कामजीत आत्मा को स्वप्न में भी दुःख और अशांति की लहर भी आ नहीं सकती.

तो आईये, हम कामजीत जगतजीत बन दुःख और अशांति से स्वयं मुक्त बने और इस संसार को भी मुक्त करें.

सप्ताह	**दिव्य दर्पण का पुरूषार्थ**
पहला	वस्तुओं की कामना से परे.
दूसरा	व्यक्ति द्वारा हद के प्राप्ति की कामना से परे.
तीसरा	सम्बन्ध निभाने में हद की कामना से परे.
चौथा	सेवा भावना में हद की कामना से परे.

हर सप्ताह का जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है. उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है. रोज रात को चेक करना है कि हम कितना % कामजीत जगतजीत बने.

- **विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)**
    1. कामजीत अर्थात् क्या?
    2. कामजीत जगतजीत बनने के लिए कौनसी धारणाएं चाहिए?
    3. कामजीत जगतजीत आत्माओं की विशेषताएं?
    4. Action Plan बनाएं.

- **फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:**

  1. गुड मॉर्निंग - 3.30 2. अमृतवेला–3.30 से 4.45 3. व्यायाम/पैदल-हाँजी
  4..ट्रैफिक कंट्रोल - 5 5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? हाँ
  7. नुमाशाम का योग-हाँ जी 8. स्वमान की स्मृति-बहुत अच्छी 9. कामजीत जगतजीत - 80%
  10. गुड नाईट - रात्रि - 10.30

- **इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:**
  - देखते हुए नहीं देखने का अभ्यास सदा करेंगे.
  - सदा अपनी प्राप्तियों की स्मृति में रहेंगे.

  - **अभ्यास:** हर घंटे एक मिनट के लिए बाबा के पास जाकर बाबा से सुख और शांति की किरणें लेनी है.

  - **दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरुर लिखें.**

सप्ताह	**स्वमान**
पहला	मैं आत्मा अविनाशी खजानों की मालिक हूँ.
दूसरा	मैं आत्मा सर्व प्राप्ति संम्पन्न हूँ.
तीसरा	मुझ आत्मा का संसार एक बाबा है.
चौथा	मैं आत्मा निमित्त हूँ.

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org